

बक्करवाला में 66/11 केवी ग्रिड का शिलान्यास

28 करोड़ की लागत से बनेगा ग्रिड, 4 लाख लोगों को होगा फायदा

- 16 महीनों के रेकॉर्ड समय में बन कर तैयार होगा ग्रिड
- 1 एकड़ से अधिक भूमि में फैला होगा
- करीब 11 किलोमीटर क्षेत्र में बिछाई जाएगी केबलें
- यह बीएसईएस का 120 वां ग्रिड होगा। 2002 में निजीकरण के समय सिर्फ 103 ग्रिड थे
- विधायक श्री मुकेश शर्मा ने किया शिलान्यास

नई दिल्ली: 30 सितंबर, 2008। कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारियों के मद्देनजर बक्करवाला (मुंडका) स्थित, बीएसईएस के एक अत्याधुनिक 66/11 केवी ग्रिड सब स्टेशन का शिलान्यास, आज विधायक श्री मुकेश शर्मा ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के अलावा, बीएसईएस के सीईओ श्री अरुण कंचन के नेतृत्व में बीएसईएस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

28 करोड़ रुपये की लागत से बनने जा रहे इस ग्रिड से इलाके के लोगों को काफी फायदा होगा। ग्रिड बनने के बाद इलाके के 4 लाख से अधिक लोगों को बेहतर व विश्वसनीय बिजली सप्लाई मिलेगी, नांगलोई व आसपास के ग्रिडों पर लोड कम होगा, और साथ ही कॉमनवेल्थ गेम्स के आयोजन में भी मदद मिलेगी। यह हाईटेक ग्रिड सब स्टेशन 1 एकड़ से अधिक भूमि पर फैला होगा और बिजली वितरण के क्षेत्र में मौजूद अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगा। यह ग्रिड भी (स्काडा सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन) से जुड़ा होगा और इसे बालाजी स्थित बीएसईएस के सेंट्रल कंट्रोल रूम से सीधे कंट्रोल व मॉनिटर किया जा सकेगा। सेंट्रल कंट्रोल रूम से मॉनिटर करने का फायदा यह होगा कि ब्रेकडाउनों व शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान किया जा सकेगा।

इस ग्रिड से मुंडका और नांगलोई के अलावा, बहरोला विहार जैसी अनाधिकृत कॉलोनियों के लोगों को भी काफी लाभ मिलेगा। यही नहीं, लोकनायक पुरम में बनने जा रहे डीडीए के बक्करवाला हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के करीब 5500 फ्लैट्स को बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। साथ ही, वर्तमान में चल रहे व प्रस्तावित कमर्शल व शॉपिंग सेंटर, सीवेज पंपिंग स्टेशनों व वाटर सप्लाई पंपिंग स्टेशनों की जरूरतों को भी पूरा किया जा सकेगा। जल्द ही उत्तम नगर और शिव विहार में भी दो ग्रिड स्टेशनों की आधारशिला रखी जाएगी।

शिलान्यास के मौके पर विधायक श्री मुकेश शर्मा ने दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के बक्करवाला (मुंडका) में ग्रिड बनाने के लिए बीएसईएस को बधाई देते हुए कहा कि दिल्ली में बड़े पैमाने पर विकास कार्य हो रहे हैं और इस वजह से शहर में बिजली की मांग में तेजी से इजाफा हो रहा है। जब ग्रिड बन कर तैयार हो जाएगा तो न सिर्फ इस इलाके में, गर्मियों में, बिजली की स्थिति बेहतर बनाने में मदद मिलेगी, बल्कि आने वाले समय की जरूरतों को पूरा करने में भी यह सक्षम होगा।

उन्होंने कहा— मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस स्टेट-ऑफ-द-आर्ट ग्रिड के बन जाने के बाद इलाके में बिजली की स्थिति में जबरदस्त सुधार होगा और वह दक्षिणी और पूर्वी दिल्ली के टक्कर की हो जाएगी। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि वे बिजली चोरी के खिलाफ चल रही बीएसईएस की मुहिम में सहयोग दें।

बीएसईएस के सीईओ श्री अरुण कंचन के मुताबिक— बक्करवाला में बनने जा रहे 66/11 केवी ग्रिड सब-स्टेशन की क्षमता 60 एमवीए होगी और इस पर 28 करोड़ रुपये की लागत आएगी। तेजी से विकसित हो रहे मुंडका और आसपास के इलाके के, भविष्य की जरूरतों को देखते हुए, इस ग्रिड को 16 महीनों के रेकॉर्ड समय में तैयार कर लिया जाएगा। उनके अनुसार, ग्रिड बनने के दौरान करीब 11 किलोमीटर क्षेत्र में केबलें बिछाई जाएंगी, जो कि साकेत से इंडिया गेट की दूरी के बराबर होगी।

बीएसईएस प्रवक्ता का कहना था कि कंपनी अपने उपभोक्ताओं को विश्वस्तरीय वितरण इंफ्रास्ट्रक्चर व सुविधाएं उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध है, ताकि 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स के मेजबान के तौर पर दिल्ली को ग्लोबल सिटी का रूतबा दिया जा सके। पिछले छह सालों में कंपनी ने 3500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। कॉमनवेल्थ गेम्स के मद्देनजर, बीएसईएस अपने वितरण नेटवर्क को और मजबूत व आधुनिक बनाने के काम में लग चुकी है। बहरहाल, यदि निजीकरण के पहले की स्थिति से तुलना करें, तो बीएसईएस ने पिछले छह सालों में ईएचवी केबलों की मात्रा में 77 प्रतिशत बढ़ोतरी की है, जबकि वितरण ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता में 37 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, एलटी लाइनों में 55 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, 11 केवी फीडर्स में 38 प्रतिशत की, ग्रिडों में 14 प्रतिशत की और वितरण ट्रांसफॉर्मरों में 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह बीएसईएस का 120 वां ग्रिड होगा। उल्लेखनीय है कि 2002 में निजीकरण के समय सिर्फ 103 ग्रिड थे।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।